



एन सी ई आर टी
NCERT

NCERT

National Council Of Educational Research
And Training

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 4-तुम कब जाओगे, अतिथि



IndCareer
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 4-तुम कब जाओगे, अतिथि

Class 9: हिंदी पाठ 4 solutions. Complete Class 9 हिंदी पाठ 4 Notes.

**NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 4-तुम कब जाओगे,
अतिथि**

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

पृष्ठ संख्या:39

प्रश्न अभ्यास

मौखिक

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर एक-दो-पंक्तियों में दीजिए।

1. अतिथि कितने दिनों से लेखक के घर पर रह रहा है?

उत्तर

अतिथि चार दिनों से लेखक के घर पर रह रहा है।

2. कैलेंडर की तारीखें किस तरह फड़फड़ा रही हैं?

उत्तर

कैलेंडर की तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ा रही हैं।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

पृष्ठ संख्या: 40

3. पति-पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया?

उत्तर

पति ने स्नेह-भीगी मुस्कराहट के साथ गले मिलकर तथा पत्नी ने सादर नमस्ते कहकर मेहमान का स्वागत किया।

4. दोपहर के भोजन को कौन-सी गरिमा प्रदान की गयी?

उत्तर

दोपहर के भोजन को लंच की गरिमा प्रदान की गयी।

5. तीसरे दिन सुबह अतिथि ने क्या कहा?

उत्तर

तीसरे दिन अतिथि ने धोबी से कपड़े धुलवाने की बात कही।

6. सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?

उत्तर

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>

सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर लेखक डिनर से खिचड़ी पर आ गए।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

1. लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चाहता था?

उत्तर

लेखक अतिथि को एक भावभीनी विदाई देना चाहता था। वह चाहता था कि जब अतिथि जाए तो पति-पत्नी उसे स्टेशन तक छोड़ने जाएं। उन्हें सम्मानजनक विदाई देना चाहते थे।

2. पाठ में आए निम्नलिखित कथनों की व्याख्या कीजिए -

(क) अंदर ही अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया।

(ख) अतिथि सदैव देवता नहीं होता, वह मानव और थोड़े अंशों में राक्षस भी हो सकता है।

(ग) लोग दूसरे के होम की स्वीटनेस को काटने न दौड़ें।

(घ) मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी।

(ङ) एक देवता और एक मनुष्य अधिक देर साथ नहीं रहते।

उत्तर

(क) जब लेखक ने अतिथि को देखा था तब उन्हें लगा उनका खर्च बढ़ जायेगा इसलिए उनका बटुआ काँप गया यानी अत्यधिक खर्च होने का एहसास हुआ।

(ख) हमारी संस्कृति में अतिथि को देवता समान माना गया है। परन्तु यही अतिथि जब ज्यादा दिन रह जाए तो वह बोझ लगने लगता और थोड़े अंशों में राक्षस प्रतीत होता है।

(ग) हर व्यक्ति अपने घर को सजाता है, सुख शान्ति स्थापित करता है। अपने घर को स्वीट होम बनाता है। लेकिन जब कोई अनचाहा व्यक्ति आकर रहने लगता है तो वह स्वीटनेस को काटने दौड़ने जैसा लगता है।

(घ) अतिथि लेखक के घर पर चार दिनों से रह रहा था। कल पाँचवा दिन हो जाएगा। यदि कल भी अतिथि नहीं गया तो लेखक अपनी सहनशीलता खो बैठेगा और अतिथि सत्कार भूलकर गेट आउट बोलने में देर नहीं लगाएगा।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>

(इ) हम अतिथि को देवता मानते हैं इसलिए लेखक अपने अतिथि को बताना चाह रहा कि देवता और मनुष्य कभी एक साथ हैं। आप कृपा कर हमारे घर से प्रस्थान करें।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50 -60 शब्दों में) लिखिए -

1. कौन-सा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर

तीसरे दिन जब अतिथि ने धोबी से कपड़े धुलवाने की इच्छा प्रकट की तो लेखक के लिए ये अप्रत्याशित आघात था चूँकि उन्हें लगा था वे चले जाएंगे। धोबी को कपड़े धुलने देने का मतलब था कि अतिथि अभी जाना नहीं चाहता। इस आघात का लेखक पर यह प्रभाव पड़ा कि वह अतिथि को राक्षस समझने लगा। उनके सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो गयी।

2. 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुजरना' - इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

उत्तर

'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुजरना' - इस पंक्ति का आशय है संबंधों में परिवर्तन आना। जो संबंध आत्मीयतापूर्ण थे अब घृणा और तिरस्कार में बदलने लगे। जब लेखक के घर अतिथि आया था तो उसके संबंध सौहार्दपूर्ण थे। उसने उसका स्वागत प्रसन्नता पूर्वक किया था। लेखक ने अपनी ढीली-ढाली आर्थिक स्थिति के बाद भी उसे शानदार डिनर खिलाया और सिनेमा दिखाया। लेकिन अतिथि चार पाँच दिन रुक गया तो स्थिति में बदलाव आने लगा और संबंध बदलने लगे।

3. जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए?

उत्तर

जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक ने उसके साथ मुस्कुराकर बात करना छोड़ दिया, बातचीत के विषय समाप्त हो गए। सौहार्द व्यवहार अब बोरियत में बदल गया। लंच डिनर अब खिचड़ी पर आ गए। इसके बाद लेखक उपवास तक जाने की तैयारी करने लगा। लेखक अतिथि को 'गेट आउट' तक कहने के लिए भी तैयार हो गया।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए -

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>

चाँद ज़ि आघा ऊष्मा अंतरं
द क्र त ग

उत्तर

चाँद – राकेश, शशि, रजनीश

ज़िक्र – उल्लेख, वर्णन

आघात – हमला, चोट

ऊष्मा – गर्मी, घनिष्ठता, ताप

अंतरंग – घनिष्ठ, आंतरिक

2. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए –

(क) हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने जाएँगे। (नकारात्मक वाक्य)
.....

(ख) किसी लॉण्ड्री पर दे देते हैं, जल्दी धुल जाएँगे। (प्रश्नवाचक वाक्य)
.....

(ग) सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी। (भविष्यत् काल)
.....

(घ) इनके कपड़े देने हैं। (स्थानसूचक प्रश्नवाची)
.....

(ङ) कब तक टिकेंगे ये? (नकारात्मक)
.....

उत्तर

(क) हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने जाएँगे। (नकारात्मक वाक्य)
(क) हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने नहीं जाएँगे।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>

- (ख) किसी लॉण्डी पर दे देते हैं, जल्दी धुल जाएँगे। (प्रश्नवाचक वाक्य)
किसी लॉण्डी पर दे देने से क्या जल्दी धुल जाएँगे?
- (ग) सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो रही थी। (भविष्यत् काल)
सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो जाएगी। (भविष्यत् काल)
- (घ) इनके कपड़े देने हैं। (स्थानसूचक प्रश्नवाची)
इनके कपड़े यहाँ देने हैं।
- (ङ) कब तक टिकेंगे ये? (नकारात्मक)
ये अब नहीं टिकेंगे।

NCERT 9th हिंदी पाठ 4, class 9 हिंदी पाठ 4 solutions



<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>

Chapterwise NCERT Solutions for Class 9 हिंदी :

- पाठ 1-धूल
- पाठ 2-दुःख का अधिकार
- पाठ 3-एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा
- पाठ 4-तुम कब जाओगे, अतिथि
- पाठ 5-वैज्ञानिक चेतना के वाहक : चन्द्र शेखर वेंकट रामन्
- पाठ 6-कीचड़ का काव्य
- पाठ 7-धर्म की आड़
- पाठ 8-शुक्र तारे के समान
- पाठ 9-रैदास
- पाठ 10-दोहे
- पाठ 11-आदमी नामा
- पाठ 12-एक फूल की चाह
- पाठ 13-गीत – अगीत
- पाठ 14-अग्नि पथ
- पाठ 15-नए इलाके में ... खुशबू रचते हैं हाथ

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](https://www.ncert.nic.in/) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-4-tum-kab-jaoge-a-tithi/>